भारत सरकार
भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय
भारी उद्योग विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 395
जिसका उत्तर मंगलवार 19 जुलाई, 2016 को दिया जाना है

मेगा परियोजनाएं

395. श्रीमती कोथापल्ली गीता:

क्या भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार का निजी क्षेत्र में भेल जैसी मेगा परियोजनाएं/एककों की स्थापना करने का कोई प्रस्ताव है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और

(ग) सरकार द्वारा इस संबंध में क्या कदम उठाए गए/उठाए जा रहे हैं?

उत्तर
भारी उद्योग और लोक उद्यम राज्य मंत्री
(श्री बाबुल सुप्रियो)

(क): जी, नहीं।

(ख) और (ग): कार्यान्वयन हेतु मेगा परियोजनाओं/एककों की शुरूआत प्रौद्यो-वाणिज्यिक विचार-विमर्श के आधार पर अलग-अलग इकाइयों/निवेशकों/कंपनियों/उद्यमियों द्वारा स्वयं की जाती है। भारी उद्योग विभाग की भूमिका इसके प्रशासनिक नियंत्रणाधीन केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों (सीपीएसई) के प्रशासन तक सीमित है।

****